राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर एवं माता गुजरी महिला महाविद्यालय के मध्य एमओयू (MoU) दिनांक 11/03/2026

नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 के परिपालन में शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग के उद्देश्य से दिनांक 11/03/2026 को राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर के साथ माता गुजरी महिला महाविद्यालय के मध्य एक समझौता पत्र (MoU) हस्ताक्षर हुआ। उक्त कार्यक्रम में संस्थान के संचालक श्रीमान् प्रदीप वासुदेवा, उप संचालक श्रीमान् संदीप फैलोस, वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, अनुसंधान परिक्षेत्र अधिकारी श्री विजय हल्दकर उपस्थित रहे एवं माता गुजरी महिला महाविद्यालय जबलपुर के प्राचार्या डॉ. संगीता झाम्ब, प्राणी शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सर्खेल एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. महिमा त्रिपाठी ने उपस्थित होकर MoU पर हस्ताक्षर किया। उक्त समझौता पत्र हस्ताक्षर के बाद दोनो संस्थान अपने–अपने क्षेत्र में सहयोग प्रदान करेंगे तथा छात्राओं के लिये भी शोध कार्य एवं कौशल विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा। संस्थान के संचालक महोदय ने महिला सशाक्तिकरण के उद्देश्य से तथा नई शिक्षा नीति (NEP) के परिपालन में माता गुजरी महिला महाविद्यालय के छात्राओं के लिये शोध कार्य में सहायता प्रदान करने आश्वासन दिये।

12
पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
जबलपुर

एसएफआरआई और माता गुजरी कॉलेज के बीच एमओयू हुआ साइन

रिसर्च और स्किल के विकास के लिए किया नवाचार

पीपुल्स संवाददाता ● जबलपुर
editor@peoplessamachar.co.in

राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई) और माता गुजरी महिला कॉलेज के बीच बुधवार को एक महत्वपूर्ण समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए राज्य वन अनुसंधान संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा, उप-संचालक संदीप फैलोस, वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, अनुसंधान क्षेत्र अधिकारी विजय हल्दकर सहित अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं, माता गुजरी महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता झाम्ब, प्राणी शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सखेंल और वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. महिमा त्रिपाठी ने भी इस मौके पर एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान अपने-अपने क्षेत्रों में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे छात्राओं को शोध कार्य और कौशल विकास में सहयोग मिलेगा।

शोध को मिलेगा बढ़ावा

संस्थान की संचालक ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ नई शिक्षा नीति के तहत शोध कार्य में सहायता देने का आश्वासन भी दिया। संस्थानों के उच्च अधिकारियों ने इस एमओयू को को दोनों संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह महिला शिक्षा के क्षेत्र में भी मील का पत्थर साबित होगा।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान और माता गुजरी महाविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

नवभारत, जबलपुर। नई शिक्षा नीति 2020 के परिपालन में शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग के उद्देश्य से बुधवार को राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर के साथ माता गुजरी महिला महाविद्यालय के बीच एक समझौता पत्र (एमओयू) हस्ताक्षर हुआ। उक्त कार्यक्रम में संस्थान के तरफ से संचालक प्रदीप वासुदेवा, उप-संचालक संदीप फैलोस, वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, अनुसंधान परिक्षेत्र अधिकारी विजय हल्दकर उपस्थित रहे एवं माता गुजरी महिला महाविद्याल के प्राचार्या डॉ. संगीता झाम्ब, प्राणी शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सरखैल एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. महिमा त्रिपाठी ने उपस्थित होकर एमओयू पर हस्ताक्षर किया। उक्त समझौता पत्र हस्ताक्षर के बाद दोनो संस्थान अपने-अपने क्षेत्र में सहयोग प्रदान करेंगे तथा छात्राओं के लिये भी शोध कार्य एवं कौशल विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा। संस्थान की संचालक महिला सशाक्तिकरण के उद्देश्य से तथा नई शिक्षा नीति के परिपालन में माता गुजरी महिला महा विद्यालय के छात्राओं के लिये शोध कार्य में सहायता प्रदान करने आश्वासन दिये।

जबलपुर। वन्यजीवों के स्वास्थ्य और संरक्षण के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से माता गुजरी महिला महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसके तीसरे दिन वन्यजीव स्वास्थ्य एवं संरक्षण से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ, निदेशक डॉ. शोभा जावरे ने वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन और संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. अमोल रोकड़े ने वन्यजीव बचाव, उपचार एवं पुनर्वास से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. सुनील कुमार पाहवा, रजिस्ट्रार डॉ. सत्येन्द्र कुरारिया का मार्गदर्शन व डॉ. संगीता सखेंल का सहयोग रहा।

▪ नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा एवं शोध में सहयोग के उद्देश्य से राज्य वन अनुसंधान संस्थान ने माता गुजरी महिला महाविद्यालय के साथ एक अनुबंध किया है। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि यह कदम महिला सशक्तिकरण एवं नई शिक्षा नीति (एनईपी) के परिपालन के लिए उठाया गया है। इस दौरान संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा, उप-संचालक संदीप फैलोस, वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार एवं कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संगीता झाम्ब विशेष रूप से मौजूद रहे।